Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

जुलाई 2023 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- परवेज़ शीतल की पुस्तक 'साइलेंट रोजेलिंग्स'का हुआ विमोचन 3
- झारखंड के जावेद पठान को मिला 'छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव अवार्ड 2023' 4
- गुमला में राज्य की पहली महिला लाइब्रेरी का शुभारंभ 4
- झारखंड में अब संविदा महिला कर्मियों को मिलेगा मातृत्व अवकाश 5
- मुख्यमंत्री ने झारखंड को दी 206 एंबुलेंस की सौगात 5
- प्रोजेक्ट रेल 6
- गुमला की चार महिला फुटबॉल खिलाड़ी इंडिया कैंप के लिये चयनित 7
- राँची के स्मार्ट सिटी में बनेगा ट्रैफिक चिल्ड्रेन पार्क 8
- रायडीह के मांदर को मिलेगा जीआई टैग 9
- झारखंड कैबिनेट में 35 प्रस्तावों पर लगी मुहर 9
- टीबी वर्क प्लेस पॉलिसी एंड कॉरपोरेट इंगेजमेंट टू एंड टीबी' के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन 10
- झारखंड की तीरंदाज रीता सवैयां का वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के लिये इंडिया टीम में चयन 11
- 'मुख्यमंत्री सारथी योजना' का शुभारंभ 12
- शत-प्रतिशत जन्म एवं मृत्यु निबंधन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अभियान का शुभारंभ एवं 'झारखंड ए स्टैटिस्टिकल प्रोफाइल 2022' का विमोचन 12
- पूर्वी भारत का सबसे बड़ा ओपन-एयर बटरफ्लाई पार्क 14
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड के 9 ज़िलों को 'भूमि सम्मान 2023' से सम्मानित किया 15
- सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन के विजन डॉक्यूमेंट का हुआ विमोचन 16
- झारखंड के जमशेदपुर शहर का क्वालिटी ऑफ लाइफ देश में सबसे बेहतर 18
- झारखंड सरकार लाएगी नकल विरोधी कानून 18
- झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए महत्त्वपूर्ण निर्णय 19
- मुख्यमंत्री ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में नव प्रोन्नत राज्य पुलिस सेवा के 24 अधिकारियों को बैच लगाकर सम्मानित किया 20
- नीलम नीरद सहित झारखंड की 4 महिलाओं को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का फेलोशिप 21
- झारखंड पंचायती राज विभाग ने पेसा नियमावली का प्रारूप किया प्रकाशित 21
- देवघर में 'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना' 22
- मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर में देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना हेतु दी स्वीकृति 23

नोट :

झारखंड

परवेज़ शीतल की पुस्तक 'साइलेंट रोजेलिंग्स'का हुआ विमोचन

चर्चा में क्यों ?

28 जून, 2023 को झारखंड की राजधानी राँची के मांडर में भारतीय कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से आयोजित दोदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'शिक्षा की वैश्विक चुनौतियाँ और उसकी शिक्षा में पहुँच विषय'पर चर्चा हुई तथा परवेज़ शीतल की पुस्तक 'साइलेंट रोजेलिंग्स'का विमोचन भी हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस सेमिनार में पद्मश्री मुकुंद नायक, डॉ. डीएन सिंह, डॉ. कमल कुमार बोस समेत अन्य गणमान्य लोगों ने परवेज़ शीतल की पुस्तक 'साइलेंट रोजेलिंग्स'का विमोचन किया। इस पुस्तक की खासियत है कि यह पाँच भाषाओं में है।
- धनबाद के कतरासगढ़ के रहने वाले और वर्तमान में गिरिडीह में पदस्थापित परवेज़ शीतल की पुस्तक विश्व की पाँच बड़ी भाषाओं में अनुवादित है। इसके तहत जर्मन, फ्रेंच, इटालियन, स्पैनिश, और टर्किश में इस पुस्तक का अनुवाद हो चुका है।
- राँची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से शोधार्थी एवं प्रशिक्षु छात्रों को बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।
- भारतीय कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सचिव नितिन पराशर ने कहा कि उनका प्रयास है कि संस्थान के विद्यार्थियों को हर तरह के कौशल से युक्त किया जाए, जिससे वह समाज में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें। संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण इलाके के लोगों को शिक्षित कर समाज को सही दिशा देना है।
- इस दौरान ग्रीस की रानियाँ लौम्पौ एवं हवाई किंगडम की रानी नादिया हारीहिरी व अन्य शिक्षाविदों ने भी वेबिनार के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किये।

नोट :

झारखंड के जावेद पठान को मिला 'छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव अवार्ड 2023'

चर्चा में क्यों ?

28 जून, 2023 को महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के अंधेरी पश्चिम के मुक्ति फाउंडेशन हॉल में दादा साहब फाल्के आइकॉन अवॉर्ड फिल्म्स ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में झारखंड निवासी बॉलीवुड एक्टर जावेद पठान को 'छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव अवार्ड 2023' से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- जावेद पठान को यह अवार्ड 'एनआरआई वाइव्स'फिल्म के लिये मिला, जहाँ उन्हें 'आइकॉन एक्टर ऑफ द ईयर' की उपाधि दी गई। फिल्म की शूटिंग अमेरिका में हुई थी।
- विदित है कि 'छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव अवार्ड' से उन्हें नवाज़ा जाता है जो समाज को एक बेहतर संदेश देते हैं या जिन्होंने समाज के लिये अच्छा काम किया हो। यह अवार्ड सभी क्षेत्र के लोगों को दिया जाता है, चाहे वह फिल्म की दुनिया में हो, साहित्य के क्षेत्र में हो, प्रशासनिक अधिकारी हो या फिर राजनीति के क्षेत्र में हो।
- 'एनआरआई वाइव्स' एक सच्ची घरेलू कहानी पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म में वास्तविक जीवन से प्रेरित चार एनआरआई कहानियों को दिखाया गया है। इनमें से तीसरी कहानी का नाम 'डिजायर'है, जिसमें जावेद पठान ने लीड रोल किया है। वे इसमें ग्रे कैरेक्टर में दिखे हैं, उनके किरदार का नाम गौरव है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अच्छे लोग जीवन की विषम परिस्थितियों में ग्रे शेड भी दिखा सकते हैं।
- ज्ञातव्य है कि जावेद पठान झारखंड के एक छोटे से शहर धनबाद के रहने वाले हैं और लगातार सफलता की बुलंदियों को छू रहे हैं। इससे पहले 2020 में उन्हें 'इंडिया ब्रांड आइकॉन अवॉर्ड' मिला था।
- जावेद पठान अब तक कई टीवी सीरियल, वेब सीरीज और म्यूजिक एल्बम में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों को लुभा चुके हैं। जोधा अकबर, विघ्नहर्त्ता गणेश, महाराणा प्रताप, बालवीर और महादेव जैसे कई टीवी शो में उनकी एक्टिंग को खूब पसंद किया गया है।

गुमला में राज्य की पहली महिला लाइब्रेरी का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

3 जुलाई 2023 को झारखंड के वित्त मंत्री डॉ.रामेश्वर उराँव ने राज्य के गुमला ज़िले में झारखंड की पहली 400 सीटर हाईटेक महिला लाइब्रेरी का उद्घाटन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- उपरोक्त पुस्तकालय का नाम भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं सामाजिक कार्यकर्त्ता सावित्री बाई फुले के नाम पर रखा गया है।
- इस पुस्तकालय में हर प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा के लिये पुस्तकें सहित सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इसमें विभिन्न विषयों पर हज़ारों किताबें हैं जो किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा के लिये मददगार साबित होंगी।
- इस हाईटेक महिला लाइब्रेरी का निर्माण महिलाओं के सम्मान में किया गया है, जिसमें महिलाएँ और छात्राएँ बिना किसी झिझक के शांतिपूर्ण माहौल में आकर अपनी पढ़ाई कर सकती हैं।
- इस दौरान वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उराँव ने कल्याण योजना के तहत प्राप्त आवंटन से 112 विकलांग लोगों को ब्लाइंड स्टिक, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और बैसाखी भी वितरित की। इस योजना के तहत ज़िले में करीब 550 दिव्यांगों को चिह्नित किया गया है और दो माह बाद दूसरे चरण में उनकी ज़रुरतों के लिये दिव्यांगजन उपलब्ध कराए जाएंगे।

झारखंड में अब संविदा महिला कर्मियों को मिलेगा मातृत्व अवकाश

चर्चा में क्यों ?

5 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संविदा के आधार पर नियुक्त महिला कर्मियों को मातृत्व अवकाश से संबंधित प्रस्ताव पर स्वीकृति दे दी है, जिससे अब संविदा पर नियुक्त महिला कर्मियों को मातृत्व अवकाश का लाभ प्राप्त होगा।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि पूर्व में संविदा पर नियुक्त महिला कर्मियों को मातृत्व अवकाश का लाभ देने का प्रावधान नहीं था।
- मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव वैसी महिला कर्मियों पर लागू होगा, जो पिछले 12 महीनों में 80 दिन तक संविदा पर कार्य कर चुकी हों, उन्हें 180 दिन का मातृत्व अवकाश का लाभ मिलेगा।
- यह अवकाश दो जीवित संतान के बाद हुए प्रसव पर लागू नहीं होगा। मातृत्व अवकाश के लिये संविदा राशि छुट्टी पर जाने से पहले मिले अंतिम संविदा राशि के बराबर होगा।
- उल्लेखनीय है कि मातृत्व लाभ ऐसे लाभ हैं जो महिला कर्मचारियों को गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद उनके अधिकारों की रक्षा के लिये प्रदान किये जाते हैं। ये लाभ मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 द्वारा शासित होते हैं।

मुख्यमंत्री ने झारखंड को दी 206 एंबुलेंस की सौगात

चर्चा में क्यों ?

5 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य को आधुनिक सुविधा से लैस 206 एम्बुलेंस की सौगात दी, जिनमें 51 एम्बुलेंस में एडवांस लाइफ सिस्टम मौजूद है और 131 में बेसिक लाइफ सिस्टम शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 5 मेडिकल मोबाइल यूनिट की भी शुरुआत की जिसके लिये स्माइल फाउंडेशन से एमओयू किया गया है।
- मुख्यमंत्री ने ममता वाहन एप, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना और आयुष्मान एप का भी शुभारंभ किया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि एम्बुलेंस का संचालन, नए ऐप के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा को सरल और बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है और राज्य के जन-जन तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने की ओर कदम कदम बढ़ाया जा रहा है।
- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को स्वरोज़गार देने के लिये फिलहाल सभी पंचायतों में दवा दुकान खोलने की कोशिश जारी है। अब दवा दुकान खालेने के लिये अब फार्मा की डिग्री की ज़रूरत नहीं रहेगी। पढ़े-लिखे शिक्षित युवा खुद दवा दुकान चला सकेंगे।
- साथ ही, उन्होंने झारखंड में भव्य मेडिकल कॉलेज की शुरुआत जल्द करने की घोषणा की, जिसमें वैश्विक स्तर की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

नोट :

प्रोजेक्ट रेल

चर्चा में क्यों ?

6 जुलाई, 2023 को झारखंड के खूंटी ज़िले के उपायुक्त शशि रंजन ने शिक्षा विभाग की बैठक में बताया कि खूंटी ज़िले में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिये प्रोजेक्ट रेल (Regular Assessment for Improved Learning - RAIL) की शुरुआत की जाएगी।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- प्रोजेक्ट रेल खूंटी प्रखंड के चयनित 14 माध्यमिक और प्रत्येक प्रखंड से दो-दो माध्यमिक और उच्च विद्यालय में चलाया जाएगा। इसकी शुरुआत 14 जुलाई से की जाएगी।
- उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि प्रोजेक्ट के तहत चयनित विद्यालयों में गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान का पढ़ाये गए सिलेबस के अनुसार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर साप्ताहिक जाँच की जाएगी, जिससे बच्चों के अधिगम स्तर एवं उनमें दिन-प्रतिदिन हुए प्रगति का आकलन किया जाएगा।
- इसके लिये एक डैशबोर्ड बनाया जाएगा, जिसमें साप्ताहिक परीक्षाएँ, पाठ्यक्रम की जानकारी, बच्चों की परफॉर्मेंस एनालिसिस प्रदर्शित की जाएगी। डैशबोर्ड को एनआईसी से जोड़ा जाएगा।

गुमला की चार महिला फुटबॉल खिलाड़ी इंडिया कैंप के लिये चयनित

चर्चा में क्यों ?

5 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप (एशिया कप) 2023 के तहत इंदौर में संचालित इंडिया कैंप के लिये झारखंड के गुमला ज़िले के आवासीय फुटबॉल बालिका प्रशिक्षण केंद्र इंडोर स्टेडियम से चार महिला फुटबॉलरों का चयन हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- चयनित बालिका खिलाड़ियों में शिवानी टोप्पो, विकसित बाड़ा, सेलिना डांग व अनिता डुंगडुंग शामिल हैं।
- ज़िला खेल पदाधिकारी कुमारी हेमलता बून ने बताया कि कैंप में चारों खिलाड़ी दो माह तक फुटबॉल का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। चारों खिलाड़ियों ने अपने खेल प्रतिभा के दम पर कैंप में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये अपनी जगह बनाई है। कैंप में खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन रहा तो उनका चयन एशिया कप के लिये भी हो सकता है।
- उन्होंने कहा कि खेल नगरी के नाम से विख्यात गुमला ज़िला में खिलाड़ियों की भरमार है। यहाँ के खिलाड़ी काफी प्रतिभावान हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक गुमला की पहचान बना चुके हैं।

नोट :

राँची के स्मार्ट सिटी में बनेगा ट्रैफिक चिल्ड्रेन पार्क

चर्चा में क्यों ?

6 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड की राजधानी राँची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी की सवा चार एकड़ ज़मीन पर देश का 11वाँ ट्रैफिक चिल्ड्रेन पार्क बनने का रास्ता साफ हो गया है। पार्क के निर्माण पर करीब 14 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

प्रमुख बिंदु

- शहर में सड़कों पर यातायात का बोझ बढ़ता जा रहा है, लेकिन उस अनुपात में ट्रेंड ड्राइवर नहीं हैं। यही वजह है कि राज्य में रोजाना 10 लोगों की मौत सड़क हादसे में हो रही है। इसलिये ही यहाँ ट्रैफिक चिल्ड्रेन पार्क बनाने का निर्णय लिया गया है।
- ट्रैफिक चिल्ड्रेन पार्क के बनने से वाहन चलाने के तरीके, ट्रैफिक से जुड़े चिह्न और नियमों की जानकारी बच्चों व उनके अभिभावकों को मिल सकेगी।
- वहीं, अंडरपास, सिग्नल, रेलवे फाटक व सड़क के तीखे मोड़ सहित अन्य स्थानों पर लगे साइन बोर्ड, विभिन्न प्रकार के गाड़ियों की गति कहाँ पर क्या होनी चाहिये व वाहनों के ओवरटेक करने से होने वाले नुकसान संबंधी जानकारी ट्रैफिक पार्क में आसानी से मिलेगी।
- पार्क में बच्चों के मनोरंजन के भी साधन होंगे। खेलकूद व बैटरी वाहन की व्यवस्था होगी। बैटरी गाड़ी चलाते वक्त ट्रैफिक सिग्नल की महत्ता की भी जानकारी बच्चों को दी जाएगी।
- विदित है कि पूर्व में परिवहन विभाग ने यह पार्क हैवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन (एचइसी) द्वारा आवंटित ज़मीन पर बनाने का निर्णय लिया था। इसके लिये डीपीआर तैयार कराने के बाद टेंडर निकाल कर संवेदक को कार्य आवंटित कर दिया गया था। लेकिन, छह माह पूर्व जिस दिन कार्य शुरू होना था, उसी दिन एचइसी ने विरोध दर्ज कराते हुए निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी।
- इसके बाद मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने स्मार्ट सिटी में ट्रैफिक चिल्ड्रेन पार्क बनाने के लिये जमीन देने का निर्देश संबंधित विभाग को दिया था।

नोट :

रायडीह के मांदर को मिलेगा जीआई टैग

चर्चा में क्यों ?

10 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के गुमला ज़िले के रायडीह प्रखंड स्थित जरजट्टा गाँव के मांदर को जीआई टैग मिलेगा।

प्रमुख बिंदु

- गुमला ज़िले के उपायुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि जरजट्टा गाँव के मांदर को पूरे देश में एक अलग पहचान दिलाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस मांदर को जीआई टैग दिलवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिससे इस मांदर की पहचान पूरे देश में बनेगी और प्रखंड रायडीह व ज़िला गुमला को मांदर के नाम से भी जाना जाएगा।
- उपायुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि गाँव में एक केंद्र भी बनेगा, जहाँ गाँव के लोग सामूहिक रूप से समूह बनाकर मांदर बनाने का कार्य करेंगे। आसानी से अपने हाथों से बना मांदर को बेच पाएंगे और अपनी आमदनी बढ़ा पाएंगे।
- विदित है कि मांदर झारखंड का प्राचीन और अत्यंत लोकप्रिय वाद्य है। इसे यहाँ लगभग सभी समुदाय के लोग बजाते हैं।

झारखंड कैबिनेट में 35 प्रस्तावों पर लगी मुहर

चर्चा में क्यों ?

11 जुलाई, 2023 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड कैबिनेट की बैठक में डीवीसी कमांड एरिया में चार ग्रिड सब स्टेशन बनाने का प्रस्ताव पारित करने के साथ ही कुल 35 प्रस्तावों पर सहमति बनी है।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में डीवीसी कमांड एरिया के अंतर्गत संचरण के क्षेत्र में 220/132/33 केवी का ग्रिड सब-स्टेशन बनाने की स्वीकृति मिली है। इसके तहत हज़ारीबाग, गोमिया एवं बलियापुर तथा संबंधित संचरण लाईन के निर्माण के लिये कुल परियोजना लागत 579.35 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।
- झारखंड राज्य अमीन संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा-शर्त) (संशोधन) नियमावली-2023 के गठन की स्वीकृति के साथ-साथ नेतरहाट पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन और राज्य पर्यटन संवर्धन समिति के पुर्नगठन की स्वीकृति दी गई।

नोट :

- इनके अलावा अन्य महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव, जिनको सहमति मिली:
  - झारखंड राज्य में 'गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना' को लागू करने के लिये विस्तृत मार्गदर्शिका जारी करने की स्वीकृति मिली।
  - झारखंड राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों के लिये सहायक आचार्य संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त) (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2023 को स्वीकृति मिली।
  - राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय) अंतर्गत झारखंड राज्य बंदोबस्त कार्यालयाधीन प्रारूपक सेवा संवर्ग (भर्ती प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) (संशोधन) नियमावली-2023 के गठन की स्वीकृति मिली।
  - आतंकवादी/उग्रवादी/जातीय हमले में क्षतिग्रस्त चल-अचल संपत्ति के नुकसान के एवज में सामान्य नागरिकों को क्षतिपूर्ति अनुदान की स्वीकृति संबंधी विभागीय संकल्प संख्या-4215 दिनांक 10 जुलाई, 2010 में संशोधन की स्वीकृति मिली।
  - झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन अधिनियम, 2015 के तहत झारखंड पर्यटक व्यापार पंजीकरण नियमावली 2023 (jharkhand tourist trade registration rules, 2023) की स्वीकृति मिली।

टीबी वर्क प्लेस पॉलिसी एंड कॉरपोरेट इंगेजमेंट टू एंड टीबी' के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

12 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत झारखंड की राजधानी राँची में आयोजित 'टीबी वर्क प्लेस पॉलिसी एंड कॉरपोरेट इंगेजमेंट टू एंड टीबी' के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिये कार्ययोजना तैयार कर ससमय कार्य करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करना है। पूरे विश्व में टीबी उन्मूलन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक है, वहीं राष्ट्रीय लक्ष्य वर्ष 2025 तक है, जबकि झारखंड में टीबी उन्मूलन का लक्ष्य दिसंबर, 2024 तक रखा गया है। अभी तक राज्य में 57,567 टीबी मरीजों की पहचान की गई है।
- मंत्री ने कहा कि सभी ज़िलों में टीबी के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा पंचायत को टीबी मुक्त करने के लिये कार्य किये जा रहे हैं। पहले 10 टीबी मुक्त पंचायत के प्रतिनिधियों को राज्य सरकार द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा साथ ही, सभी टीबी मुक्त पंचायतों को स्वर्ण, रजत और काँस्य पदक प्रदान किये जाएंगे।

नोट :

- राज्य सरकार ने देश में सबसे पहले Work place policy for TB its Comorbidities and Occupational Lung Disease लेकर आई है, जिससे राज्य सरकार के पास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए लोग अपने अपने कार्यक्षेत्र को टीबी मुक्त करने की मुहिम बना सकें।
- यह Unique Employee Lead Model है। इस Policy के लागू होने के बाद लोग अपने-अपने कार्यक्षेत्र को टीबी मुक्त कर सकेगें। साथ ही, 'टीबी हारेगा, झारखंड जितेगा' का मंत्र सफल हो पाएगा।
- स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरूण कुमार सिंह ने कहा कि TB work place policy and Corporate Engagement to end TB का उद्घाटन करने वाला देश का पहला राज्य झारखंड बन गया है।
- उल्लेखनीय है कि टीबी होने का मुख्य कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना तथा अच्छा भोजन नहीं मिलना है। बैक्टीरिया हवा के माध्यम से फैलता है और फेफड़े को प्रभावित करता है।
- कार्यक्रम में सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थान को टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य में विभिन्न ज़िलों के टीबी मरीजों को मित्र बनकर गोद लेने एवं उन्हें अतिरिक्त पोषण सहायता उपलब्ध कराने के लिये सम्मानित किया गया।
- सम्मानित होने वाली संस्थाओं में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, बोकारो (बीजीएच), यूरेनियम कॉरपोरेशन, रेल विकास निगम लिमिटेड, अदानी पावर (झारखंड) लिमिटेड, आधुनिक पावर एंड नेचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड, उषा मार्टिन लिमिटेड, जिंदल स्टील और पावर लिमिटेड, टाटा स्टील फाउंडेशन, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया शामिल थी।

झारखंड की तीरंदाज रीता सवैयां का वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के लिये इंडिया टीम में चयन

चर्चा में क्यों ?

15 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के पश्चिम सिंहभूम ज़िले के चाईबासा के सिकुरसाई के तुरतुंग तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र की रीता सवैयां का चयन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स (विश्व विश्वविद्यालय खेलों) के लिये भारतीय टीम में हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- रीता सावैयां 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चीन के चेंगदू शहर में आयोजित होने वाले वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारतीय तीरंदाजी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।
- विदित है कि भुवनेश्वर के किट यूनिवर्सिटी में 14-15 जून को आयोजित सेलेक्शन ट्रायल में रीता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम में अपनी जगह पक्की की थी।
- रीता सवैयां दूसरी बार किसी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। मार्च 2018 में वह बांग्लादेश (ढाका) में आयोजित तीसरे एशियन आर्चरी चैंपियनशिप में भारत को स्वर्ण पदक दिला चुकी है।

नोट :

- रीता सवैयां पश्चिम सिंहभूम ज़िले के तांतनगर प्रखंड की छोटा कोयता गाँव की रहने वाली हैं।
- वर्तमान में रीता हरियाणा के सोनीपत नेशनल सेंटर ऑफ एक्सलेंस में अभ्यास कर रहीं हैं। साथ ही वह गुरुकाशी यूनिवर्सिटी तलवंडी (बठिंडा) पंजाब में पढ़ती हैं।

'मुख्यमंत्री सारथी योजना' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

15 जुलाई, 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आर्यभट्ट सभागार, राँची विश्वविद्यालय में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राज्य के प्रतिभाशाली युवाओं को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण देकर रोज़गार एवं स्वरोज़गार से जोड़ने हेतु 'मुख्यमंत्री सारथी योजना' का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य है- राज्य के युवा अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा को निखार कर स्वावलंबन का मार्ग बिरसा केंद्र (Block Level Institute for Rural Skill Acquisition) के माध्यम से प्रशस्त कर सकें।
- इस योजना के प्रथम चरण (2023- 24) में राज्य के 80 प्रखंडों में योजना का शुभारंभ हुआ है। आगामी दिनों में राज्य के सभी प्रखंडों में बिरसा योजना संचालित किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री सारथी योजना का लाभ सभी वर्ग के युवा नि:शुल्क ले सकेंगे। इसके लिये सरकार द्वारा पात्रता तय की गई है। सामान्य श्रेणी के 18-35 वर्ष के युवक/युवतियों एवं आरक्षित श्रेणी (ST/SC/OBC) के 50 वर्ष तक के पुरुष/महिलाओं के लिये प्रखंड स्तर पर कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- प्रशिक्षण के बाद सफल युवक/युवतियों को तीन माह के अंदर नियोजन नहीं होने की स्थिति में रोज़गार प्रोत्साहन भत्ता के रूप में युवकों को 1000 रुपए और युवतियों/दिव्यांग/परलैंगिक को प्रतिमाह 1500 रुपए अधिकतम एक वर्ष के लिये Direct Benefit Transfer (DBT) के माध्यम से दी जाएगी।
- इसके साथ ही, गैरआवासीय प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों को उनके घर से प्रशिक्षण केंद्र तक आने-जाने के लिये प्रतिमाह 1000/- डीबीटी के माध्यम से भेजे जाने का प्रावधान है।

शत-प्रतिशत जन्म एवं मृत्यु निबंधन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अभियान का शुभारंभ एवं 'झारखंड ए स्टैटिस्टिकल प्रोफाइल 2022' का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

14 जुलाई 2023 को झारखंड के वित्तमंत्री डॉ.रामेश्वर उराँव ने प्रोजेक्ट भवन, राँची में जन्म-मृत्यु निबंधन के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने एवं निबंधन से संबंधित व्यापक जन-जागरूकता पैदा करने के तहत विशेष अभियान का शुभारंभ किया तथा अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, झारखंड के द्वारा निर्मित 'झारखंड ए स्टैटिस्टिकल प्रोफाईल 2022' का विमोचन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- यह अभियान 14 जुलाई, 2023 से 14 अगस्त, 2023 तक चलेगा।
- इस विशेष जागरूकता अभियान के दौरान राज्य के सभी 4962 जन्म-मृत्यु निबंधन इकाइयों में पोस्टर, बैनर आदि लगाकर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि शत-प्रतिशत निबंधन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।
- इस कार्य में सभी घोषित सूचकों यथा आंगनबाड़ी सेविका, सहिया तथा स्कूलों के प्रधानाध्यापक को जन्म सूचना प्रपत्र -1 एवं मृत्यु सूचना प्रपत्र -2 भरकर संबंधित निबंधक (जन्म-मृत्यु) को उपलब्ध कराने की जिम्मेवारी सौंपी गई है।
- सूचकों से प्राप्त सूचना प्रपत्र की जाँच कर सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कर निबंधक जन्म एवं मृत्यु का निबंधन करना सुनिश्चित करेंगे, तत्पश्चात संबंधित व्यक्ति को जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध करायेंगे।
- अभियान का प्रचार-प्रसार चलित वाहनों के द्वारा भी किया जाएगा।
- सभी महत्त्वपूर्ण स्थलों पर बैनर, पोस्टर के अतिरिक्त डिजिटल स्क्रीन पर जन्म-मृत्यु निबंधन से संबंधित सूचना एवं जानकारी प्रसारित की जाएगी।
- ORGI, New Delhi के निर्देश के आलोक में जन्म एवं मृत्यु का शत-प्रतिशत निबंधन कराना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।
- उल्लेखनीय है कि इस तरह का विशेष अभियान राज्य में पहली बार आयोजित किया जा रहा है, ताकि सभी आम जन जन्म- मृत्यु निबंधन के महत्त्व एवं उससे प्राप्त होने वाले लाभ से अवगत हो सकें।
- जन्म-मृत्यु निबंधन कराना बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसके नहीं होने से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई ऐसे लोग हैं, जिनकी जन्म तिथि अंदाज पर उनके स्कूल आदि में दर्ज हो गया। वही उनका जन्म प्रमाण-पत्र हो गया। इससे उनके 60 वर्ष पूर्ण होने से पहले ही उन्हें स्कूल जन्म प्रमाण-पत्र के आधार पर रिटायरमेंट मिल गया।
- वहीं कई जगह ऐसे भी उदाहरण मिल जाते हैं कि छोटे एवं बड़े भाई बहन दोनों का जन्म का दिवस एक ही है। सरकार द्वारा इन सभी तरह की समस्याओं के निराकरण हेतु इस अभियान को चलाया जा रहा है।
- जन्म के साथ-साथ मृत्यु का भी निबंधन कराना बहुत महत्वपूर्ण है। यह पूर्वजों की संपत्ति प्राप्त करने, कोर्ट कचहरी के मामले में महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ के रूप में काम आता है। साथ ही मृत्यु प्रमाण-पत्र का बैंक एवं एलआईसी की पॉलिसी में भी महती भूमिका है। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान का मुख्य लक्ष्य यही है कि लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि इसके लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।
- शिक्षा विभाग के सचिव के रविकुमार ने बताया कि सभी स्कूलों में बच्चों के जन्म का निबंधन इस अभियान के माध्यम से होगा। राज्य में हर साल करीब 6 लाख छोटे बच्चों का नामांकन होता है। सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापक को इस संबंध में निर्देशित किया गया है।
- चुनाव आयोग भी 31 जुलाई से मतदाता पुनरीक्षण अभियान चला रहा है। ऐसे में जन्म एवं मृत्यु निबंधन अभियान से आयोग भी समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची अपग्रेड कर सकेगा।
- यूनिसेफ की राज्य प्रमुख कनीनिका मित्र ने बताया कि जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य है। इसके लिये 1969 में कानून बनाया गया था। जन्म का पंजीकरण हर बच्चे का अधिकार है। यह एक कानूनी दस्तावेज़ होता है। पूरे राज्य में इस अभियान से लोगों को लाभ होगा और सरकार के पास राज्य की जनसंख्या के बारे में एक पुख्ता जानकारी उपलब्ध रहेगी।
- इस अवसर पर माननीय वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव ने अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, झारखंड के द्वारा निर्मित 'झारखंड ए स्टैटिस्टिकल प्रोफाईल 2022' का विमोचन किया।
  - इस पुस्तक के विषय में जानकारी देते हुए निदेशक सह अपर मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म - मृत्यु) राजीव रंजन ने बताया कि इस पुस्तक में वित्तीय वर्ष 2020-2021 एवं 2021-2022 के आंकड़ों को शामिल किया गया है।
  - इस पुस्तक में अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा कृषि सांख्यिकी, जीवनांक, राज्य की आय, कृषि श्रमिकों की दैनिक मजदूरी एवं औद्योगिक सांख्यिकी से संबंधित आँकड़ों को शामिल किया गया है।
  - इसके अतिरिक्त इस पुस्तक में विभिन्न विभागों यथा स्वास्थ्य, ऊर्जा, पथ, खान, पशुपालन, जल संसाधान, शिक्षा, ग्रामीण कार्य, यातायात, ग्रामीण विकास, पर्यटन, पेयजल एवं स्वच्छता, समाजिक सुरक्षा, वन, सहकारिता, पंचायती राज, वाणिज्य कर, खाद्य आपूर्ति, रोज़गार एवं सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित आँकड़ों को शामिल किया गया है।

नोट :

- निदेशालय के द्वारा प्रयास किया गया है कि इस पुस्तक में सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित आँकड़ों को शामिल किया जाए।
- इस पुस्तक में 28 चैप्टर हैं, जिसमें विभिन्न विभागों के आँकड़े प्रकाशित किये गए हैं। यह पुस्तक योजना बनाने वाले, शोधकर्त्ता, आर्थिक एवं वित्तीय नीति निर्धारकों, प्रशासकों एवं अर्थशास्त्रियों के लिये उपयोगी सिद्ध होगी।

पूर्वी भारत का सबसे बड़ा ओपन-एयर बटरफ्लाई पार्क

चर्चा में क्यों?

16 जुलाई, 2023 को भगवान बिरसा जैविक पार्क (बिरसा चिड़ियाघर) के निदेशक जब्बार सिंह ने बताया कि पूर्वी भारत का सबसे बड़ा ओपन-एयर बटरफ्लाई पार्क जल्द ही भगवान बिरसा जैविक पार्क (बीबीबीपी) में जनता के लिये खोल दिया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- यह पार्क बीबीबीपी के परिसर में एक्वैरियम के ठीक सामने 19 एकड़ की विशाल भूमि पर बनाया गया है। भगवान बिरसा जैविक पार्क रांची शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर है, जिसे बिरसा चिड़ियाघर के नाम से जाना जाता है।
- बटरफ्लाई प्रेमियों को मनोरंजन के साथ-साथ शैक्षिक मूल्य प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गए इस पार्क के पहले चरण का विकास कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस पार्क की अनुमानित लागत दो करोड़ रुपए है।
- पहले चरण में जो विकास कार्य किये गए हैं उनमें एक बटरफ्लाई कंजर्वेटरी, इसके अलावा आवास विकास जैसे पराग पौधों का रोपण, तितली पार्क के लिये पैदल मार्ग का निर्माण, एक तालाब और एक प्रवेश द्वार शामिल है। अभी पार्क में कुछ सुधारीकरण और अन्य कार्य चल रहे हैं। आने वाले चरणों में पार्क में और सुविधाएँ जोड़ी जाएंगी। इसे एक या दो महीने में जनता के देखने के लिये खोल दिया जाएगा।
- जब्बार सिंह ने बताया कि पार्क को हरे-भरे क्षेत्र में विकसित किया गया है, जो आगंतुकों को पारिस्थितिकी (Ecology) में तितलियों के महत्त्व के बारे में जागरूक करने में मदद करेगा। स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र में जैव विविधता की बढ़ती आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने में तितलियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। अच्छी संख्या में तितलियों की मौजूदगी एक उत्तम प्राकृतिक वातावरण का सूचक है।
- वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार राँची, धनबाद और जमशेदपुर जैसे शहरी क्षेत्र वाहनों और उद्योगों की बढ़ती संख्या से प्रदूषित हैं। अशांति के प्रभाव को कम करने के लिये तितली या पारिस्थितिक पार्क जैसे विषयगत उद्यान समय की मांग है। पर्यावरण में तितलियों का अस्तित्व पौधों के परागणकर्त्ता, अन्य जानवरों के लिये भोजन स्रोत और वैज्ञानिक खोजों में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- निदेशक जब्बार सिंह ने बताया कि झारखंड में तितलियों की 75 से अधिक प्रजातियाँ पाई जाती हैं। पार्क में अनुकूल वातावरण तैयार किया जाएगा ताकि तितलियाँ प्राकृतिक रूप से विकसित हो सकें। 900 वर्ग मीटर के क्षेत्र में एक ढका हुआ कंजर्वेटरी बनाया गया है ताकि उन्हें पक्षियों और किसी अन्य शिकार से बचाया जा सके।
- चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा झारखंड में पाई जाने वाली अधिकांश प्रजातियों जैसे ट्वनी कोस्टर, सार्जेंट, बुश ब्राउन, बैरोनेट, प्लेन टाइगर, लेमन पैंसी, कॉमन सेलर और अन्य को पार्क में रखने की कोशिश की जाएगी।

- गौरतलब है कि पार्क के पहले चरण को पूरा होने में लगभग छह साल लगे। तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुबर दास ने 29 जून, 2017 को पार्क की नींव रखी थी। हालाँकि, परियोजना पर काम तीन साल बाद 2020 में शुरू हुआ। कोविड-19 महामारी के कारण परियोजना के क्रियान्वयन में ज्यादा देरी हुई।
- राँची के ओरमांझी क्षेत्र में 104 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस जैविक उद्यान में स्तनधारियों, सरीसृपों और पक्षियों की 83 प्रजातियों के लगभग 1,450 जानवर हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड के 9 ज़िलों को 'भूमि सम्मान 2023' से सम्मानित किया

चर्चा में क्यों ?

18 जुलाई, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में भूमि संबंधित दस्तावेज़ों के राइट ऑफ रिकॉर्ड का बेहतर ढंग से डिजिटलाइजेशन करने को लेकर झारखंड के नौ ज़िलों को 'भूमि सम्मान 2023' से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने डिजिटल इंडिया भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के तहत 9 राज्यों के सचिवों और 68 कलेक्टर्स को पुरस्कार दिये।
- भूमि सम्मान 2023 के लिये झारखंड के नौ ज़िलों का चयन हुआ। इसके तहत गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, चतरा, गिरिडीह, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और दुमका ज़िले को यह सम्मान मिला है।
- इन ज़िलों के डीसी के नेतृत्व में संबंधित अपर समाहर्ता एवं अन्य राजस्व पदाधिकारी द्वारा डिस्ट्रिक्ट टीम की ओर से राष्ट्रपति के हाथों यह पुरस्कार ग्रहण किया गया। वहीं राज्य की ओर से राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव अमिताभ कौशल के नेतृत्व में भू-अर्जन, भू-अभिलेख एवं परिमाप के निदेशक उमा शंकर सिंह और संयुक्त निबंधन महानिरीक्षक शहाब सिद्दीकी द्वारा यह पुरस्कार ग्रहण किया गया।
- गुमला डीसी सुशांत गौरव को भूमि सम्मान से नवाज़ा गया। ज़िले में 99 प्रतिशत से अधिक राइट ऑफ रिकॉर्ड जैसे सेल डीड, खतियान एवं अन्य भूमि संबंधित दस्तावेज़ों का डिजिटलाइजेशन किया गया है। इस साल गुमला ज़िले के लिये यह दूसरा सुनहरा अवसर रहा, जब ज़िले को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिला। इससे पूर्व गुमला ज़िले को देश का प्रतिष्ठित पीएम अवॉर्ड भी मिल चुका है।
- सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त अरवा राजकमल को भूमि सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। ज़िले में भी भूमि सबधी सभी कार्य ऑनलाइन हुए हैं, जिसके कारण उपायुक्त एवं टीम को भूमि सम्मान-2023 प्लेटिनम सर्टिफिकेट प्रदान कर भूमि रिकॉर्ड सुधार के लिये संचालित अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया।
- इसके अलावा भूमि रिकॉर्ड सुधार के लिये संचालित अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु खूंटी उपायुक्त शशि रंजन और टीम को राष्ट्रपति ने भूमि सम्मान 2023 प्लेटिनम सर्टिफिकेट प्रदान किया। खूंटी को छह अलग-अलग बिंदुओं पर सम्मानित किया गया है।
- डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) में सौ फीसदी पूर्णता हासिल करने को लेकर लोहरदगा ज़िला के डीसी डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण को भूमि सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि डिजिटल इंडिया भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के तहत लैंड रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण, समुचित संरक्षण एवं कुशल प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को भूमि सम्मान दिया जाता है। इसके तहत देश के 28 राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के 766 ज़िले में भूमि रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण की प्रक्रिया चल रही है। भूमि सम्मान के रूप में उत्कृष्ट ज़िलों को प्लैटिनम ग्रेडिंग सर्टिफिकेट दिया जाता है।
- विदित है कि डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मैनेजमेंट प्रोग्राम केंद्र सरकार के शत-प्रतिशत वित्तपोषण से डिपार्टमेंट ऑफ लैंड रिसोर्सेस द्वारा वर्ष 2008-9 से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सुविधा की दृष्टि से आधुनिक, विस्तृत और पारदर्शी भू-अभिलेख प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है।
- कार्यक्रम के अंतर्गत जनवरी 2022 के बाद से अच्छा कार्य करने वाले ज़िलों को पुरस्कृत करने के लिये उनके द्वारा कार्यक्रम के एमआईएस पर अंकित डाटा के आधार पर मंथली ग्रेडिंग प्रणाली लागू की गई है। इसमें 90% से 95% तक सिल्वर, 95% से 99% तक गोल्ड और 99% से अधिक कार्य दक्षता पर प्लैटिनम ग्रेड प्रदान की जाती है।

सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन के विजन डॉक्यूमेंट का हुआ विमोचन

चर्चा में क्यों ?

19 जुलाई, 2023 को झारखंड की राजधानी रांची में वन विभाग एवं झारखंड राज्य प्रदूषण नियत्रंण परिषद के संयुक्त तत्त्वावधान में सीड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन की रूपरेखा से संबंधित विजन डॉक्यूमेंट 'नव-निर्माण की ओर अग्रसर'पुस्तक का विमोचन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम में देश में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते संकट को रोकने के लिये विजन 2070 के नेट-जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की बात कही गई है, जिसमें टास्क फोर्स की भूमिका अहम होगी।
- विदित है कि नवंबर 2022 से ही झारखंड इस दिशा में 'टास्क फोर्स' गठन करने वाला देश में पहला राज्य है।
- मुख्य सचिव ने कहा कि सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन टास्क फोर्स राज्य ही नहीं बल्कि भारत के क्लाइमेट चेंज से संबंधित महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों और ग्रीन इकोनॉमी के रास्ते पर चलने के लिहाज से अहम है।
- कार्बन-न्यूट्रल और जलवायु अनुकूल अर्थव्यवस्था की दिशा में बेहतर परिणाम के लिये राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय प्रयासों में कन्वर्जेंस एप्रोच एवं व्यापक विजन बेहद महत्त्वपूर्ण है।
- झारखंड में रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से पावर जेनरेट करने का लक्ष्य है, जिसमें सोलर एनर्जी, हाइड्रोजन एनर्जी आदि महत्त्वपूर्ण स्रोत होंगे। राज्य में कोयला और थर्मल पावर प्लांट तथा इससे संबद्ध स्थानीय अर्थव्यवस्था, लघु-सूक्ष्म उद्योगों और असंगठित क्षेत्र से लाखों लोग जीविका प्राप्त करते हैं।
- केंद्रीय कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने कार्यक्रम में ऑनलाईन माध्यम से बताया कि केंद्र सरकार ने विजन 2070 के नेट-जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर कदम बढ़ा दिया है। सस्टेनेबल ट्रांजिशन की रणनीतियों को निर्धारित करने के मामले में झारखंड ने अन्य राज्यों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। विजन डॉक्यूमेंट राज्य सरकार और टास्क फोर्स का एक दूरगामी एवं सराहनीय प्रयास है।
- न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन के लिये सततशील एनर्जी ट्रांजिशन आवश्यक है। भविष्य में ऊर्जा की ज़रूरतों एवं एनर्जी ट्रांजिशन को गति देने में कोयले की महत्त्वपूर्ण भूमिका बनी रहेगी।
- केंद्रीय कोयला सचिव ने कहा कि यह विजन डॉक्यूमेंट देश में कार्बन उत्सर्जन-मुक्त अर्थव्यवस्था और सतत् विकास के लक्ष्यों से निर्देशित है, जिसे अंतर्विभागीय बैठकों, नेशनल एवं स्टेट कंसल्टेशन एवं सभी स्टेकहोल्डर्स की सहभागिता से तैयार किया गया है।
- यह विजन डॉक्यूमेंट एक समावेशी एवं सहभागी प्रक्रिया के तहत प्रसिद्ध रिसर्च पार्टनर्स एवं देश-दुनिया के बेस्ट-प्रैक्टिसेज के अध्ययन एवं विश्लेषण से तैयार किया गया है।
- प्राथमिकता के रूप में ट्रांजिशन रोडमैप विकसित करने के लिये आठ क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिनमें लाइवलीहुड ट्रांजिशन, एनर्जी ट्रांजिशन, डीकार्बोनाइजेशन पाथवे, कोयला ट्रांजिशन, सस्टेनेबल मोबिलिटी ट्रांजिशन, ग्रीन हाइड्रोजन, निवेश एवं वित्त और संस्थागत परिवर्तन प्रमुख हैं।
- यह विजन राज्य में पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक आकांक्षाओं को क्लाइमेट एवं नेट-जीरो के लक्ष्यों के अनुरूप हासिल करने पर बल देता है।
- सस्टेनेबल ट्रांजिशन की प्रक्रिया में कन्वर्जेंस एप्रोच की आवश्यकता पर जोर देते हुए सीड के सीईओ रमापति कुमार ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम है, क्योंकि देश में पहली बार किसी राज्य ने सस्टेनेबल ट्रांजिशन पर विजन डॉक्यूमेंट प्रस्तुत किया है। यह राज्य में क्लाइमेट गवर्नेंस की व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत करता है।
- राज्य सरकार की यह पहल जलवायु समाधानों के राष्ट्रीय और वैश्विक प्रयासों को मज़बूती प्रदान करेगी। क्लाइमेट रेसिलियंट एवं फ्यूचर-रेडी इकोनॉमी के लिये इंटर-डिपार्टमेंटल कन्वर्जेंस आवश्यक है।

नोट :

झारखंड के जमशेदपुर शहर का क्वालिटी ऑफ लाइफ देश में सबसे बेहतर

चर्चा में क्यों ?

20 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार एसी निलसन के सर्वे से खुलासा हुआ है कि झारखंड के जमशेदपुर शहर के लोगों का क्वालिटी ऑफ लाइफ देश में सबसे बेहतर है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार एसी निलसन के सर्वे में देश के छह शहरों- जमशेदपुर, नवी मुंबई, नोएडा, चंडीगढ़, वडोदरा और इंदौर को शामिल किया गया था, जिसमें जमशेदपुर 104.7 अंक के साथ अव्वल रहा।
- वर्ष 2022 में जमशेदपुर को 100.7 अंक मिले थे, जिसमें इस वर्ष सुधार हुआ है। शहर को 4 अंक अधिक मिले हैं।
- टाटा स्टील यूआईएसएल (पहले जुस्को) के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा ने बताया कि कंपनी शहर के विकास और अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए करीब 300 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इस राशि से सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।
- विदित है कि टाटा स्टील यूआईएसएल जमशेदपुर हर साल यह सर्वे कराती है। वर्ष 2010 से यह सर्वे हो रहा है।
- शहर में सीवरेज ट्रीटमेंट के लिये 10 जगहों पर छोटे-छोटे प्लांट लगाए जा रहे हैं। कचरा निष्पादन के लिये नया प्लान तैयार किया गया है।

शहरों की रैंकिंग

शहर	अंक
जमशेदपुर	104.7
नवी मुंबई	103.4
नोएडा	102.3
चंडीगढ़	97.9
वडोदरा	96.5
इंदौर	95.1

झारखंड सरकार लाएगी नकल विरोधी कानून

चर्चा में क्यों ?

23 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं और नकल (कदाचार) रोकने के लिये 'नकल विरोधी कानून' बना रही है। कानून निर्माण का प्रस्ताव राजस्थान, गुजरात व उत्तराखंड की तर्ज पर तैयार किया गया है। कैबिनेट की आगामी बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई जा सकती है।

प्रमुख बिंदु

- प्रस्ताव में पेपर लीक करने का दोषी पाये जाने पर 10 वर्षों का कारावास और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगा कर दंडित किया जा सकता है।
- परीक्षाओं में नकल करने का दोषी पाये जाने पर संबंधित विद्यार्थी को भी तीन वर्ष तक के कारावास का प्रावधान किया जा रहा है। दोषी छात्र पर एक लाख रुपए तक अर्थदंड और अगले दो वर्षों तक परीक्षाओं में शामिल होना प्रतिबंधित करने का दंड भी दिया जा सकता है।
- विदित है कि वर्तमान में राज्य में 'झारखंड एग्जाम कंडक्ट रूल-2001' प्रभावी है। इसके तहत पेपर लीक और परीक्षाओं में नकल के लिये मामूली दंड का प्रावधान है। दोषी के लिये अधिकतम छह माह का कारावास और तीन हज़ार रुपए तक का जुर्माना निर्धारित है।

नोट :

- नये कानून को विधानसभा की मंजूरी मिलने के बाद किसी प्रिंटिंग प्रेस, सेवा प्रदाता, कोचिंग संस्थान या प्रबंधन को नकल कराने या प्रश्नपत्र लीक करने का दोषी पाये जाने पर उनको न केवल 10 वर्ष तक का कारावास और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा, बल्कि उनकी संपत्ति भी ज़ब्त की जा सकेगी।
- ज्ञातव्य है कि नकल विरोधी कानून, 1992 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह और शिक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पारित किया था।
- इस कानून का उद्देश्य राज्य में स्कूल और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सामूहिक नकल की प्रथा को रोकना है।
- अधिनियम ने परीक्षाओं में अनुचित साधनों के उपयोग को गंभीर अपराध बना दिया और यह गैर-जमानती था और कथित तौर पर पुलिस को जाँच करने के लिये परीक्षा परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दी। हालाँकि, 1993 में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी सरकार ने अगले वर्ष इसे रद्द कर दिया था।

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गए महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

25 जुलाई, 2023 को झारखंड मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में झारखंड निर्यात नीति-2023 की स्वीकृति देने के साथ अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

प्रमुख बिंदु

मंत्रिपरिषद के महत्त्वपूर्ण निर्णय:-

- झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के निदेशक मंडल में मनोनीत निदेशक का प्रावधान करने की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड सहकारिता अंकेक्षक (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त) संवर्ग नियमावली, 2014 (प्रवृत्त 24/10/2014) यथा प्रथम संशोधित नियमावली 2021 की अध्याय-3 सीधी भर्ती नियम - 9 (क) न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड बाल विकास सेवा अराजपत्रित कर्मचारी भर्ती तथा सेवा शर्त (संशोधन) नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई।
- संविदा के आधार पर नियुक्त एवं कार्यरत कर्मियों को मातृत्व अवकाश की सुविधा अनुमान्य करने की स्वीकृति दी गई।
- वित्त विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत अनियमित रूप से नियुक्त एवं कार्यरत कर्मियों के सेवा नियमितीकरण की स्वीकृति दी गई।
- राज्य कर्मियों/सेवा निवृत कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की स्वीकृति दी गई।
- केंद्र प्रायोजित पुनरीक्षित मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत बाल देख-रेख संस्थानों में आवासित बच्चों को Maintenance मद की नए दर की स्वीकृति दी गई।
- केंद्र प्रायोजित 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना'का मिशन शक्ति (सामर्थ्य) के तहत संशोधित स्वरूप में कार्यान्वयन की स्वीकृति दी गई।
- केंद्र प्रायोजित मिशन सक्षम आँगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत संचालित आँगनबाड़ी सेवाओं के अंतर्गत विभिन्न मदों के कार्यान्वयन संबंधी मार्गनिर्देश एवं क्रियान्वयन दर में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- केंद्र प्रायोजित किशोरी बालिकाओं के लिये योजना (Scheme for Adolescent Girls & SAG) के कार्यान्वयन संबंधी मार्गनिर्देश में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- केंद्र प्रायोजित योजना अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन 2.0 (अमृत 2.0) के अंतर्गत 8301.21 लाख रुपए की लागत पर तकनीकी स्वीकृति प्राप्त महागामा शहरी जलापूर्ति परियोजना की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।
- मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के लाभुकों को झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के माध्यम से चिकित्सा सहायता अनुदान प्रदान करने की स्वीकृति दी गई।
- जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राप्त सुझाव एवं रूप-रेखा (Framework) के तहत राज्य के जल संसाधन से संबंधित आँकड़ों के समन्वयन, संग्रहण, प्रसारण तथा राज्य अंतर्गत सभी विभागों के जलीय आँकड़ों को

नोट :

एक मंच पर लाने हेतु एक समर्पित संगठन के रूप में झारखंड राज्यांतर्गत State Water Informatics Centre (SWIC) स्थापित करने की स्वीकृति दी गई।

- स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत झारखंड ऑप्थाल्मिक सहायक संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त) नियमावली, 2023 के गठन की स्वीकृति दी गई।
- केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में केंद्र सरकार द्वारा किये गए संशोधनों के आलोक में झारखंड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में तत्संबंधी संशोधन करने हेतु झारखंड माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 को झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में पुर:स्थापित करने पर मंत्रिपरिषद की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम, 2023 का प्रख्यापन की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, 2023 की स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में नव प्रोन्नत राज्य पुलिस सेवा के 24 अधिकारियों को बैच लगाकर सम्मानित किया

चर्चा में क्यों ?

24 जुलाई 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय के सभागार में आयोजित पिपिंग सेरेमनी कार्यक्रम में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में नवप्रोन्नत राज्य पुलिस सेवा के 24 पुलिस अधिकारियों को बैज लगाकर सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि झारखंड में पहली बार एक साथ 24 राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी आईपीएस में प्रोन्नत हुए हैं।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत हुए 24 अधिकारियों में से दो ऐसी महिला अधिकारी सरोजिनी लकड़ा एवं अमेल्डा एक्का हैं, जिसने महज कॉन्स्टेबल पद से आईपीएस बनने तक का लंबा सफर तय किया है।
- इन दोनों महिला आईपीएस अधिकारियों का सफर राज्य पुलिस कर्मियों के लिये प्रेरणास्रोत एवं मील का पत्थर साबित होगा।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लगभग 158 आईपीएस के पद निर्धारित हैं, जिसमें से 110 पद सीधे यूपीएससी से रिक्रूट होते हैं, वहीं 48 पदों पर राज्य पुलिस सेवा के पदाधिकारी प्रोन्नत होकर आईपीएस सेवा में शामिल होते हैं।
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा बैज लगाकर सम्मानित होने वाले नवप्रोन्नत भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों में सरोजिनी लकड़ा, एमेल्डा एक्का, सादिक अनवर रिजवी, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडेय और विजय आशीष कुजूर (सभी 2017 बैच), दीपक कुमार शर्मा, राजकुमार मेहता, शंभू कुमार सिंह, अजय कुमार सिन्हा, अनुदीप सिंह, पूज्य प्रकाश, सहदेव साव, अमित कुमार सिंह, अजीत कुमार, मुकेश कुमार, दीपक कुमार पांडेय और अनिमेष नैथानी (सभी बैच 2019), अजय कुमार-पू, आरिफ एकराम, डॉ. विमल कुमार, मनीष टोप्पो, कैलाश करमाली और पीतांबर सिंह खेरवार (सभी बैच 2020) शामिल थे।

नोट :

नीलम नीरद सहित झारखंड की 4 महिलाओं को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का फेलोशिप

चर्चा में क्यों ?

27 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार जादोपटिया चित्रकार नीलम नीरद सहित झारखंड के चार संस्कृति कर्मियों को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का वर्ष 2020-21 का फेलोशिप अवॉर्ड मिला है।

प्रमुख बिंदु

- जादोपटिया चित्रकार नीलम नीरद सहित झारखंड के तीन संस्कृति कर्मियों को वर्ष 2020-21 का सीनियर फेलोशिप अवॉर्ड मिला है, जबकि इसी वर्ष के जूनियर फेलोशिप अवॉर्ड के लिये राज्य से एक कलाकार का चयन किया गया है।
- यह बड़ा इत्तेफाक है कि इस वर्ष के लिये झारखंड से जिन चार नामों को सीनियर और जूनियर फेलोशिप अवॉर्ड के लिये चुना गया, वे सभी महिलाएँ हैं।
- दुमका की नीलम नीरद को जनजातीय चित्रकला, राँची की सीमा देवी को लोकगीत और राँची की ही मोनिता सिन्हा को थियेटर के लिये सीनियर फेलोशिप तथा बोकारो की आकांक्षा प्रियदर्शिनी को छऊ नृत्य के लिये जूनियर फेलोशिप अवॉर्ड के लिये चुना गया है।
- यह फेलोशिप अवॉर्ड संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट कला-साधकों को दिया जाता है, जिसका चयन राष्ट्रीय स्तर पर होता है। यह फेलोशिप दो वर्ष के लिये मिलता है, जिसे योजना के अनुसार छह माह का अतिरिक्त विस्तार दिये जाने का भी प्रावधान है।
- नीलम नीरद जनजातीय जादोपटिया चित्रकला की प्रख्यात कलाकार हैं। इनकी कलाकृतियाँ राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनियों में सराही गई हैं। ये सम्मानित भी होती रही हैं।
- जादोपटिया चित्रकला का संबंध संताल जनजाति से है। इस शैली के चित्र कागज और कपड़े के लंबवत् पट (स्क्रॉल) पर बनाये जाते हैं। प्रत्येक पट के अलग अलग विषय होते हैं और एक पट पर 16 से 32 चित्र तक होते हैं। इन्हें प्राकृतिक रंगों से बनाया जाता है और पारंपरिक कलाकार इसे दिखाते समय गीत भी गाता है, जिसमें चित्रों की कथा का वर्णन होता है।
- नीलम नीरद ने इसके वंशानुगत कलाकारों से सीख कर इस चित्रकला शैली को आगे बढ़ा रही हैं और इसमें कई प्रयोग भी उन्होंने किये हैं।

झारखंड पंचायती राज विभाग ने पेसा नियमावली का प्रारूप किया प्रकाशित

चर्चा में क्यों ?

26 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड पंचायती राज विभाग ने झारखंड पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) (पेसा) नियमावली-2022 का औपबंधिक प्रारूप प्रकाशित कर दिया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- झारखंड पंचायत राज अधिनियम-2001 की धारा-131 की उप धारा-1 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए इसका प्रारूप प्रकाशित किया गया है। इस तरह अब आम लोगों से इस पर राय ली जाएगी। उसके बाद विभाग अंतिम रूप से फाइनल प्रारूप का प्रकाशन करेगा।
- अभी जो प्रारूप प्रकाशित किया गया है, इसमें पंचायतों के संचालन के बारे में विस्तार से नियम तय किये गए है। इस नियमावली का नाम 'झारखंड पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार नियमावली-2022' दिया गया है।
- इसमें सचिव का अर्थ ग्राम पंचायत का पंचायत सचिव होगा। ग्रामसभा अध्यक्ष से अभिप्रेत ग्राम प्रधान, ग्रामसभा अध्यक्ष, मांझी मुंडा, मानकी, डोकलो, सोहोर, पंच परगनैत, पड़हा राजा, पाहन, महतो होगा। ग्राम पंचायत की कार्यकारिणी समिति ग्राम पंचायत स्तर पर निर्वाचित मुखिया एवं वार्ड सदस्य होंगे।
- इस नियमावली में वन भूमि, लघु जल निकायों, लघु खनिज, मादक द्रव्य, प्राकृतिक संसाधन को परिभाषित किया गया है। उस पर ग्रामसभा के अधिकार और संचालन तय किये गए हैं। साथ ही ग्रामसभा के गठन एवं ग्राम की संरचना के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है।
- ग्रामसभा की स्थाई समितियों जैसे- ग्राम विकास समिति, सार्वजनिक संपदा समिति, कृषि समिति, स्वास्थ्य समिति, ग्राम रक्षा समिति, आधारभूत संरचना समिति, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय समिति, निगरानी समिति के कार्यों को बताया गया है।
- सामुदायिक संसाधनों के प्रबंधन के साथ ही परंपराओं का संरक्षण एवं विवादों का निबटारा, ग्रामसभा में विवादों की सुनवाई, ग्रामसभा द्वारा दंड निर्धारित करने, ग्रामसभा के निर्णय पर अपीलीय अधिकार को भी विस्तारपूर्वक शामिल किया गया है।
- इनके अलावा, विकास योजना का अनुमोदन लाभार्थियों की पहचान एवं सामाजिक क्षेत्र के संस्थाओं के कार्यों पर नियंत्रण को भी बिंदुवार उल्लेखित किया गया है।
- ग्रामसभा द्वारा कार्यक्रमों की निगरानी, ग्रामसभा के निर्णय का अनुपालन, ग्रामसभा द्वारा योजना बनाना, लाभार्थियों की पहचान, सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं का अनुश्रवण, ग्रामसभा द्वारा सामाजिक अंकेक्षण, ग्रामसभा द्वारा निधियों के उपयोग और उसे अभिप्रमाणित करना, को भी समाहित किया गया है।
- नियमावली में यह भी शामिल किया गया है कि सभी व्यक्तियों को गांव के क्षेत्र के अधीन वाले प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने का समान अधिकार रहेगा। इस तरह के जल संसाधन का किसी व्यक्ति विशेष अथवा संस्था के साथ सरकारी प्रावधानों के अंतर्गत बंदोबस्ती नहीं होगी।
- ग्रामसभाएँ लघु खनिजों जैसे- मिट्टी, पत्थर, बालू, मोरम आदि के लिये योजना बनाने और उसके उपयोग के लिये सक्षम होंगी। ग्रामसभा बालू घाट की संचालक होगी अथवा अपने स्तर से स्थानीय ज़रूरतों के लिये इस्तेमाल कर सकेगी। इससे प्राप्त राजस्व ग्रामसभा के कोष में जमा होगा।
- ग्रामसभा यह भी सुनिश्चित करेगी कि बालू घाट में जेसीबी या अन्य किसी मशीन से खनन नहीं हो। मानसून अवधि में बालू खनन व उठाव पर रोक भी लगानी होगी।
- अनुसूचित क्षेत्रों से संबंधित ग्रामसभा या पंचायत की पूर्व सलाह के बिना लघु खनिज का खनन पट्टा अथवा खुली खान अनुमति पत्र जारी नहीं होगा। इसकी स्वीकृति के लिये अनुसूचित जनजाति के सहयोग समिति को प्राथमिकता दी जाएगी। लघु खनिजों के वाणिज्यिक उपयोग की अनुमति देने से पहले खनिज विभाग को ग्रामसभा की अनुशंसा लेनी होगी।
- ग्रामसभा ही लघु वनोत्पाद का रॉयल्टी तय करेगी। ग्रामसभा द्वारा भूमि वापसी और हस्तांतरण को लेकर भी कुछ अधिकार व नियमन तय किये गए हैं। बाज़ार प्रबंधन भी ग्राम पंचायत के सहयोग से होगा।

देवघर में 'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना'

चर्चा में क्यों ?

27 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार देवघर ज़िले के ग्रामीण इलाकों को शहरों से जोड़ने के लिये 'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना'को धरातल पर लाने के लिये विभागीय तैयारियाँ तेज हो गयी है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस योजना के तहत हर दिन ज़िले की 149 पंचायतों के अंतर्गत ग्रामीण मार्गों से शहर मुख्यालय तक 22 से 42 सीटर बसें चलेंगी।
- ये बसें हर दिन अलग-अलग रूट मिलाकर रोजाना कुल 1533 किलोमीटर का सफर तय करेंगी। सभी प्रखंडों से अपनी-अपनी पंचायतों का रूट तय कर इसकी सूची परिवहन विभाग को सुपुर्द कर दी गई है। अब डीसी की अध्यक्षता में बैठक कर इस पर अंतिम निर्णय लेने के बाद राज्य मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा।
- इस योजना के शुरू होने के बाद ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिये अब शहर आना आसान हो जाएगा। इससे लोगों को रोज़गार तो मिलेगा ही, योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को परिवहन की सुविधा का लाभ भी मिलेगा।
- राज्य के वरिष्ठ नागरिक, राज्य के मान्यता प्राप्त आंदोलनकारी आवेदन के पात्र होंगे। साथ ही अपनी उपज को बाज़ार तक पहुँचाने और शिक्षा व चिकित्सा के लिये शहर आने-जाने वाले भी पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर में देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना हेतु दी स्वीकृति

चर्चा में क्यों ?

- 29 जुलाई, 2023 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के जमशेदपुर में देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री की इस पहल के बाद अब देश में पेट्रोल, डीज़ल और बैटरी के साथ जल्द हाइड्रोजन ईंधन से भी वाहन चलेंगे।
- इसको लेकर मुख्यमंत्री ने टाटा मोटर्स एवं कमिंस इंक (अमेरिका) के संयुक्त उपक्रम TCPL Green Energy Solutions Private Limited (TGESPL) द्वारा 'जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम' में Hydrogen Internal Combustion Engine, Fuel-agnostic Engine, Advance Chemistry Battery, H_2 Fuel Cell तथा H_2 Fuel delivery systems के निर्माण/उत्पादन के लिये ईकाई की स्थापना हेतु सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमिटी एवं हाई पॉवर कमिटी की स्वीकृति की प्रत्याशा में उक्त निवेश के प्रस्ताव पर TGESPL के साथ MoU हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है।
- इस एमओयू के उपरांत जमशेदपुर में देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग के स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। इस कार्य में हाइड्रोजन इंजन बनने की नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिसका लाभ आने वाले समय में पूरे देश को होगा।
- झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2021 के वर्गीकृत सेक्टर वाइज मेगा प्रोजेक्ट के अनुसार उपर्युक्त परियोजना निर्माण से संबंध रखती है।
- इस इकाई से प्राप्त निवेश तथा प्रत्यक्ष नियोजन के आधार पर इकाई का वर्गीकरण मेगा श्रेणी के अंतर्गत किया गया है।
- इस इकाई की प्रस्तावित क्षमता 4000+ Hydrogen IC Engine/Fuel Agnostic Engine and 10,000+ Battery system है, इसके लिये प्रस्तावित निवेश 354.28 करोड़ रुपए है।
- एक अनुमान के अनुसार इकाई 310 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लोगों का नियोजन सुनिश्चित हो सकेगा।
- उल्लेखनीय है कि हाइड्रोजन ऐसा ईंधन है, जिसकी क्षमता अन्य ईंधनों की अपेक्षा अधिक होती है। इसका एनर्जी लेबल अधिक होता है। यह सस्ता और हल्का होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल के बीच इसे एक बेहतर विकल्प्प माना जा सकता है।
- हाइड्रोजन ईंधन से प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।
- भारतीय बाज़ार और विश्व स्तर पर हाइड्रोजन इंजन की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये 4000+ हाइड्रोजन आईसी इंजन/ईंधन एग्नोस्टिक इंजन और 10,000+ बैटरी सिस्टम की उत्पादन क्षमता के निर्माण आवश्यक ज़रूरतों की आपूर्ति और नई सहायक इकाइयों की स्थापना के लिये स्थानीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा।

नोट :